जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

28 फ़रवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में विकसित भारत अभियान के तहत माउंटेन हाइड्रोलॉजी पर सेमिनार का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भूगोल विभाग ने विकसित भारत अभियान के तहत आईसीएसएसआर (भारत) और एमओएसटी (ताइवान) की सहायता से भारत-ताइवान संयुक्त अनुसंधान परियोजना के एक घटक के रूप में 27 फरवरी 2024 को "माउंटेन हाइड्रोलॉजी" पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। “सिक्किम हिमालय के छोटे जलक्षेत्रों में तलछट हानि, एन साइक्लिंग, पानी और मिट्टी की गुणवत्ता और किसानों की आजीविका पर उनके प्रभावों का आकलन” शीर्षक वाली व्यापक परियोजना का नेतृत्व जेएमआई के डॉ. हसन राजा नकवी और नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी, ताइवान के एक प्रतिष्ठित शोधकर्ता प्रोफेसर जूनियर चुआन हुआंग कर रहे हैं।

भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हारून सज्जाद ने सेमिनार के उद्घाटन सत्र में अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों, विश्वविद्यालय तराना टीम और छात्रों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में प्रोफेसर सज्जाद ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए विकसित भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला और पर्वतीय जल विज्ञान पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की जांच करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं को अनुकूलन और शमन के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के निदेशक डॉ. ओ. पी. मिश्रा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि जामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर नाज़िम हुसैन अल-जाफरी विशिष्ट अतिथि थे। जामिया के विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर तबरेज़ आलम खान इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. ओ. पी. मिश्रा ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रयासों के लिए डॉ. हसन की सराहना की और मानव शरीर और पृथ्वी के बीच समानता पर अंतर्दृष्टि साझा की।

प्रोफेसर नाजिम हुसैन अल-जाफरी ने जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया, जबकि प्रोफेसर तबरेज आलम खान ने रसायन विज्ञान और जल विज्ञान के बीच संबंध स्थापित किया। प्रो. आलम ने विज्ञान संकाय और विश्वविद्यालय में विभाग के नेतृत्व और योगदान की सराहना की।

सेमिनार के अगले सत्र में नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी ताइवान से प्रो. जूनियर चुआन हुआंग और प्रोफेसर पद्मिनी पाणि, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपना शोध साझा किया।

प्रो. रिवर ने अपना भाषण देते हुए ताइवान में कटाव, भूस्खलन, तलछट हानि, अपवाह और जैविक क्षरण पर ध्यान केंद्रित किया। प्रो. पाणि ने चंबल की बंजरभूमि का एक केस अध्ययन प्रस्तुत किया और सूक्ष्म-भू-आकृति विज्ञान, अवनालिका कटाव, बीहड़ अतिक्रमण और नाली समतलीकरण पर चर्चा की। दोनों विद्वानों ने सराहनीय प्रस्तुतियाँ दीं और दर्शकों ने उनका खूब स्वागत किया। बाद में आमंत्रित वक्ताओं ने प्रतिभागियों से बातचीत की। इस सत्र के बाद पर्वतीय जल विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर शोधकर्ताओं के शोध पत्रों की प्रस्तुतियाँ हुईं। ताइवान नेशनल यूनिवर्सिटी, ताइवान से पेई-हाओ चेन (पीएच), जेएमआई से रईस अली, आयशा सिद्दीकी, मौमिता दत्ता, मनीरुल मिया, मो. अतीक नवाज और अम्मू एस अनिल ने अपना शोध साझा किया। सत्र की अध्यक्षता प्रो. मसूद अहसान सिद्दीकी ने की।

इससे पहले कार्यक्रम का संचालन प्रो.लुबना सिद्दीकी ने किया। प्रो. मसूद एहसान सिद्दीकी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अतिथियों, संकाय सदस्यों, सहायक स्टाफ प्रतिभागियों और छात्रों और बागवानी विभाग को धन्यवाद दिया। प्रो. सिद्दीकी ने इस संयुक्त परियोजना के वित्तपोषण के लिए आईसीएसएसआर को भी धन्यवाद दिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया